**Yogoda Satsanga Mahavidyalaya**

**B.COM Sem III**

**Subject: Macroeconomics**

**Topic: Unit 5: Meaning and Types of Investment**

---

## निवेश का अर्थ

आर्थिक निवेश का तात्पर्य समाज के पूंजीगत भंडार में वृद्धि से है । यह वह भंडार है, जिसका इस्तेमाल दूसरे सामान के उत्पादन में किया जाता है। निवेश शब्द का तात्पर्य नए निर्माण और उत्पादक के टिकाऊ साधन जैसे संयंत्र और मशीनरी से है । इन्वेंटरी और मानव पूंजी भी इस अवधारणा में शामिल हैं।

## निवेश के प्रकार:

1. **व्यवसाय निश्चित निवेश (Business Fixed Investment)**

- **व्यवसाय निश्चित निवेश का अर्थ उन मशीनों, औजारों और उपकरणों में निवेश है जो व्यवसायी वस्तुओं और सेवाओं के आगे उत्पादन में उपयोग के लिए खरीदते हैं।**

- इन मशीनों या संयंत्र उपकरणों आदि का स्टॉक ***निश्चित पूंजी*** का प्रतिनिधित्व करता है।

- इसमें 'निश्चित' शब्द का अर्थ है कि मशीनों, उपकरणों आदि पर किए गए व्यय का उपयोग अपेक्षाकृत लंबे समय तक किया जाता है। यह इन्वेंट्री निवेश के विपरीत है जिसके घटकों को उत्पादन के लिए शीघ्र ही उपयोग किया जाएगा या आगे उत्पादन के लिए शीघ्र ही दूसरों को बेच दिया जाएगा।

- व्यापार निश्चित निवेश दो तरह से महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, **व्यापार निश्चित निवेश सकल मांग(AD) का एक महत्वपूर्ण घटक है** और इसलिए राष्ट्रीय आय और रोजगार के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

- **व्यापार निश्चित निवेश कुल मांग का एक अस्थिर घटक है** और, जैसा कि कीन्स ने जोर दिया, निश्चित व्यापार निवेश के स्तरों में उतार-चढ़ाव एक मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था में व्यापार चक्रों के लिए जिम्मेदार है।

- नियोक्लासिकल मॉडल के अनुसार, अगर पूंजी का सीमांत उत्पाद उपयोगकर्ता की पूंजी की लागत से अधिक है, तो फर्मों को निश्चित निवेश करने के लिए लाभदायक होगा।

## 2. आवासीय निवेश: (Residential Investment)

- आवासीय निवेश से तात्पर्य उस व्यय से है जो लोग रहने या दूसरों को किराए पर देने के उद्देश्य से नए मकान या आवास का निर्माण करते हैं या खरीदते हैं।

- विभिन्न देशों में आवासीय निवेश **जीडीपी(GDP) के 3 प्रतिशत से 5 प्रतिशत** तक होता है।

- आवासीय निवेश की दो महत्वपूर्ण विशेषताएं ध्यान देने योग्य हैं। पहला, चूंकि एक आवास इकाई का औसत जीवन 40 से 50 वर्षों

का होता है, एक समय में नए आवासीय निवेश की तुलना में मौजूदा आवासीय इकाइयों का स्टॉक बहुत बड़ा होता है। दूसरा, आवास इकाइयों के लिए अच्छी तरह से विकसित पुनर्विक्रय बाजार है ताकि जो लोग निर्माण करते हैं या उनके मालिक हैं वे उन्हें इस द्वितीयक बाजार में बेच सकते हैं।

- आवासीय निवेश मौजूदा आवास इकाइयों की कीमत पर निर्भर करता है। मौजूदा इकाइयों की कीमत जितनी अधिक होगी, नई आवास इकाइयों के निर्माण और खरीदने में निवेश उतना ही अधिक होगा।

- **दीर्घकाल में आवास की मांग जनसंख्या वृद्धि और नए घरों के गठन की दर से निर्धारित होती है। जनसंख्या वृद्धि की उच्च दर से आवास इकाइयों की मांग में वृद्धि होगी। दो सदस्यीय परिवारों(**nuclear family**) की ओर झुकाव के कारण आवास इकाइयों की अधिक मांग है।**

- **"आय"** घरों की मांग का निर्धारण करने वाला एक और महत्वपूर्ण कारक है|

- अंत में, **ब्याज एक और महत्वपूर्ण कारक है जो आवास इकाइयों की मांग निर्धारित करता है।** अधिकांश घरों, विशेष रूप से शहरों में, बैंकों से लंबे समय तक फंड उधार लेकर खरीदे जाते हैं, 20 से 25 साल कहते हैं। आम तौर पर, खरीदे गए

घरों को बैंकों या अन्य वित्तीय संस्थानों के साथ गिरवी रखा जाता है जो इस उद्देश्य के लिए धन प्रदान करते हैं।

### ३. इन्वेंटरी निवेश (Inventory Investment)

- फर्म कच्चे माल और अर्ध-तैयार माल को अंतिम माल में संसाधित करने के लिए रखती हैं।

- इस पर निवेश करने का कारण यह है कि इससे उत्पदतन बाधित नहीं होता है |

- फर्म को वस्तुओं के उत्पादन क लिए कच्चा मॉल खरीदना सस्ता पड़ेगा अगर वह एक बार में बड़ी मात्रा में कच्चा माल खरीदता है । **वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए सामग्रियों को कम मात्रा में कई बार खरीदना अधिक महंगा सिद्ध होता है।**

- फर्मों द्वारा इन्वेंट्री रखने का कारण यह है कि जब माल की बिक्री अधिक होती है, तो 'स्टॉक ख़तम '(out of stock) होने की स्थिति उत्पन्न नहीं होती|

### 4. स्वायत्त निवेश (Autonomous investment)

- **स्वायत्त निवेश से हमारा तात्पर्य उस निवेश से है जो आय स्तर में परिवर्तन के साथ नहीं बदलता है ।**

- यह स्वायत्त निवेश आम तौर पर घरों, सड़कों, सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य प्रकार के आर्थिक बुनियादी ढांचे जैसे कि बिजली, परिवहन और संचार में होता है।

- यह स्वायत्त निवेश आय के स्तर की तुलना में जनसंख्या वृद्धि और तकनीकी प्रगति पर अधिक निर्भर करता है।

- **सरकार द्वारा किया गया अधिकांश निवेश स्वायत्त प्रकृति का है।**

- देश के आर्थिक विकास को गति देने के लिए विभिन्न विकास परियोजनाओं में सरकार द्वारा किया गया निवेश स्वायत्त प्रकार का है।
- स्वायत्त निवेश को चित्र में दर्शाया गया है जहाँ यह देखा जाएगा कि राष्ट्रीय आय का स्तर जो भी हो, निवेश समान ही रहता है ।
- इसलिए **स्वायत्त निवेश वक्र एक क्षैतिज सीधी रेखा है।**

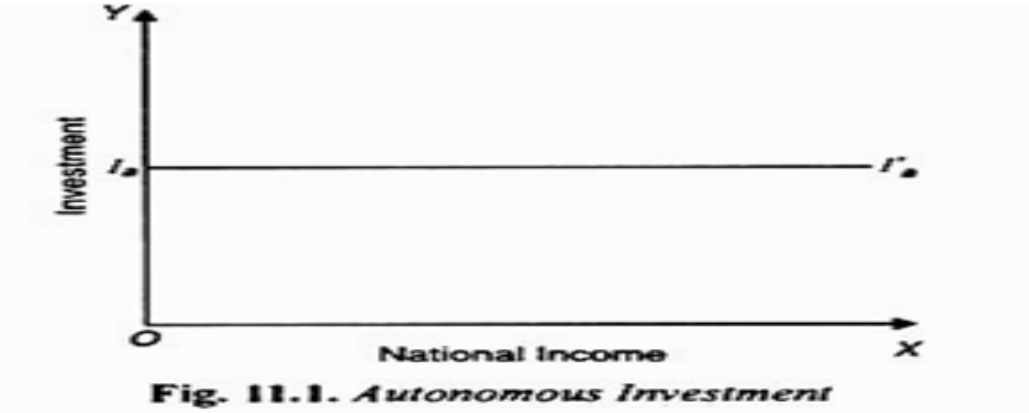

Fig. 11.1. *Autonomous Investment*

## 5. प्रेरित निवेश (Induced Investment)

- **प्रेरित निवेश वह निवेश है जो आय के स्तर में बदलाव से प्रभावित होता है।**

- आय का स्तर जितना अधिक होगा, समुदाय की खपत उतनी ही अधिक होगी।

- अधिक उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए, पूंजीगत वस्तुओं में अधिक निवेश करना पड़ता है ताकि उपभोक्ता वस्तुओं का अधिक से अधिक उत्पादन संभव हो सके।

- प्रेरित निवेश ब्याज की दर से अधिक आय पर निर्भर करता है|

- प्रेरित निवेश चित्र 11.2 में दिखाया गया है, जहां यह देखा जाएगा कि राष्ट्रीय आय में वृद्धि के साथ, प्रेरित निवेश बढ़ रहा है।

- राष्ट्रीय आय में वृद्धि का तात्पर्य है कि वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन की मांग बढ़ जाती है।

- अधिक उत्पादन करने के लिए, उन्हें उत्पादन करने के लिए अधिक पूंजीगत वस्तुओं की आवश्यकता होती है।

- अधिक पूंजीगत सामान रखने के लिए अधिक निवेश करना पड़ता है।

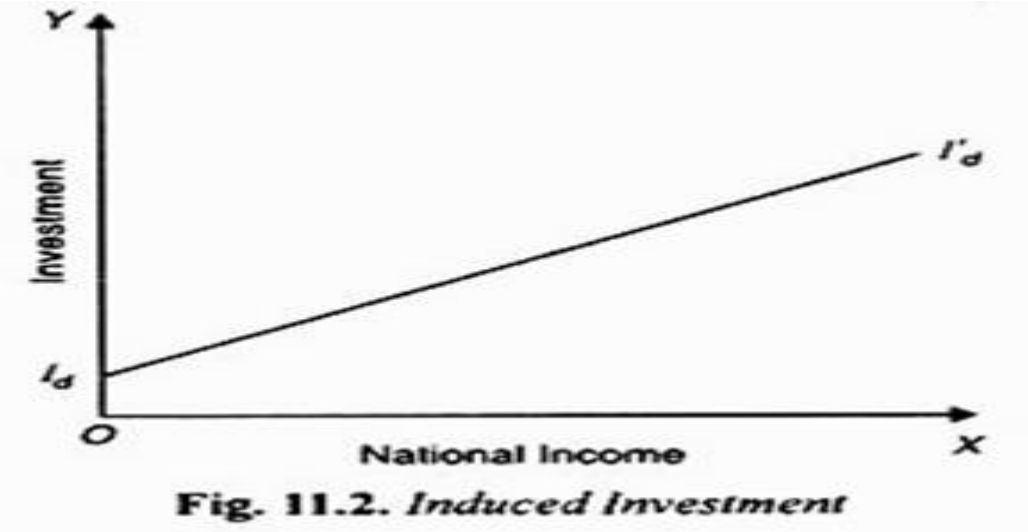

Fig. 11.2. *Induced Investment*

**Ms. Simran Kaur**
**Assistant Professor**
**Department of Commerce**
**Yogoda Satsanga Mahavidyalaya**